KNOWLEDGE IS POWER

ESTD. 1945

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

मूलजी जेठा महाविद्यालय, जलगांव

(स्वशासी)

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)

पंचम सत्र और षष्ठम सत्र (Semester V & VI)

(जून २०२१ से लागू)

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON
NAAC GRADE 'A' CGPA 3.15 (3rd CYCLE)
AUTONOMOUS

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (DSE-1C)
पंचम सत्र (Semester V)
HIN-351- हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल भक्तिकाल और रीतिकाल)

उद्देश्य (Course Objective)

1. हिंदी साहित्य का काल विभाजन तथा नामकरण से छात्रों को अवगत कराना
2. आदिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से छात्रों को परिचित कराना
3. भक्ति कालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से छात्रों को परिचित कराना

प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. हिंदी साहित्य के काल विभाजन तथा नामकरण से छात्र परिचित हो जाएंगे
2. आदिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाओं का ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा
3. भक्तिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियों, प्रवृत्तियों तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से छात्र परिचित होंगे
4. रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख परिस्थितियां , प्रवृत्तियां ,तथा प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं से छात्र अवगत होंगे
5. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्रों को सेट नेट की परीक्षा तथा स्पर्धा परीक्षा की पूर्व तैयारी की दृष्टि से उपयोगी सिद्ध होगा

श्रेयांक (Credit): 3 — **अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam): 15**

पूर्णांक (Total Marks): 75 — **सत्रांत परीक्षा (External Exam): 60**

पाठ्यक्रम (Syllabus)

इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति Teaching Method	तासिकाएँ No. of Lectures
I	हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण तथा आदिकालीन साहित्य – 1. हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण 2. आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि :राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक 3. आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां 4. रासो साहित्य का संक्षिप्त परिचय 5. विद्यापति एवं गोरखनाथ का साहित्य परिचय 6. निम्नलिखित कवियों का संक्षिप्त अध्ययन:	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JA... GRADE 'A' CGPA-3.15

	a) पृथ्वीराज रासो- चंदबरदाई b) पहेलियां, मुकरियां - अमीर खुसरो		
II	भक्तिकाल :सामान्य परिचय : - 1. पृष्ठभूमि -राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक 2. निम्नलिखित प्रमुख काव्यधाराओं तथा उनसे संबंधित प्रमुख कवियों का परिचय : ज्ञानाश्रयी शाखा - कबीर प्रेमाश्रयी शाखा - जायसी	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा	12
III	1. रामभक्ति शाखा- तुलसीदास 2. कृष्ण भक्ति शाखा - सूरदास 3. निम्नलिखित काव्यकृतियों का संक्षिप्त परिचय - a) रामचरित मानस b) भ्रमरगीत	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12
IV	रीतिकाल सामान्य परिचय : - 1. पृष्ठभूमि- राजनीति, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक 2. रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां 3. कवि परिचय -बिहारी, घनानंद, केशवदास एवं भूषण का परिचय 4. निम्नलिखित काव्य कृतियों का संक्षिप्त अध्ययन a) सतसई - बिहारी b) शिवाबावनी - भूषण	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	9

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

शुक्ल, रामचंद्र-हिंदी साहित्य का इतिहास , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
नगेंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागर- हिंदी साहित्य का इतिहास , लोकभारती प्रकाशन , नई दिल्ली
आ. हजारी प्रसाद व्दिवेदी - हिंदी साहित्य का इतिहास, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
शर्मा, रमेशचंद्र- हिंदी साहित्य का इतिहास . विद्या प्रकाशन, कानपुर
शर्मा, शिवकुमार- हिंदी साहित्य और प्रवृतियां , अशोक प्रकाशन. नई दिल्ली

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE)

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (DSE-1C)
पंचम सत्र (Semester V)
HIN 352: हिंदी भाषा

उद्देश्य (Course Objective)

1. छात्रों की भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना
2. छात्रों को भाषा के भाषा-सिद्धांतों से परिचित कराना
3. छात्रों को भाषा के सैद्धांतिक पक्ष तथा भाषा के विविध रूपों से परिचित कराना
4. छात्रों को हिंदी के प्रचार-प्रसार का ज्ञान कराना

प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. भाषा के प्रति रुचि निर्माण होगी
2. भाषा के भाषा-सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे
3. भाषा के सैद्धांतिक पक्ष तथा भाषा के विविध रूपों का ज्ञान होने से भाषा के प्रयोग विषयक कौशल में वृद्धि होगी
4. छात्र हिंदी के प्रचार-प्रसार का इतिहास जान पाएंगे

श्रेयांक (Credit): 3 **अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam): 15**
पूर्णांक (Total Marks): 75 **सत्रांत परीक्षा (External Exam): 60**

पाठ्यक्रम (Syllabus)			
इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति Teaching Method	तासिकाएँ No. of Lectures
I	भाषा का सैद्धांतिक विवेचन 1. भाषा: अर्थ, परिभाषाएं, स्वरूप एवं विशेषताएं 2.. भाषा के विविध रूप 3.. बोली और परिनिष्ठित भाषा तथा राजभाषा और और राष्ट्रभाषा में पारस्परिक संबंध और अंतर	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12
II	भाषा उत्पत्ति के विविध सिद्धांत 1. दैवी उत्पत्ति का सिद्धांत 2. डिंग-डांग अथवा धातु सिद्धांत 3. संगीत सिद्धांत 4. संकेत सिद्धांत 5. आवेग सिद्धांत 6. संपर्क सिद्धांत 7. इंगित सिंद्धांत 8. श्रम-ध्वनि सिद्धांत 9. अनुकरण सिद्धांत 10. समन्वय सिद्धांत	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा	12

MOOLJI JAITHA COL... JALGAON GRADE 'A' CGPA 3.15 (3rd CYCLE)

	11. अन्य सिद्धांत		
III	**हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय** 1. बोलियों की तालिका 2. खड़ीबोली 3. ब्रजभाषा 4. अवधी 5. मारवाड़ी 6. हरियाणवी 7. मैथिली (उक्त बोलियों की भौगोलिक, साहित्यिक, ध्वन्यात्मक तथा पदात्मक विशेषताओं का सामान्य परिचय)	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	**12**
IV	**हिंदी का प्रचार-प्रसार** 1. हिंदी के प्रचार-प्रसार में व्यक्तियों का योगदान a) दयानद सरस्वती b) महात्मा गाँधी c) काकासाहेब कालेलकर 2.हिंदी के प्रचार-प्रसार में साहित्यिक संस्थाओं का योगदान a) नागरी प्रचारिणी सभा, काशी b) हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग c) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा 3.हिंदी के प्रचार-प्रसार में अकादमिक सस्थाओं का योगदान a) अटलबिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल b) महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	**9**

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

रूवाली, डॉ.केशवदत्त-आधुनिक भाषा विज्ञान, अल्मोडा बुक डेपो, अल्मोडा
अग्रवाल, डॉ.रामेश्वर दयाल -मुग्धबोध भाषा विज्ञान, साधना प्रकाशन, मेरठ
चौधरी, डॉ.तेजपाल- समाज भाषा विज्ञान की भूमिका, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
तिवारी, डॉ.भोलानाथ- भाषा विज्ञान, किताब महल, नई दिल्ली
त्रिवेदी, डॉ.कपिलदेव-भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
देशमुख, डॉ.अम्बादास-भाषा विज्ञान के अधुनातम आयाम, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
नेने गो.प., राष्ट्रभाषा आन्दोलन , प्रकाशन पूना सिंह, गंगाशरण (संपा.),
राष्ट्रभाषा प्रचार का इतिहास, आखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE) AUTONOMOUS

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (DSE- C)
पंचम सत्र (Semester V)
HIN-353 : काव्यशास्त्र-1 (गद्य के भेद, शब्दशक्ति एवं आलोचना)

उद्देश्य (Objective)

1 . छात्रों को साहित्य के गद्य भेदों का सामान्य परिचय कराना
2 . छात्रों को गद्य के तात्विक स्वरूप से अवगत कराना
3 . छात्रों को शब्दशक्तियों का ज्ञान कराना
4 . छात्रों में आलोचना की क्षमता विकसित करना
5 . छात्रों में गद्य साहित्य को समझने की मौलिक सूझबूझ विकसित करना

प्रतिफल (Outcomes)

1 . छात्रों को साहित्य के गद्य भेदों के सामान्य परिचय से परिचित किया जाएगा
2 . छात्रों को गद्य के तात्विक स्वरूप से अवगत कराया जाएगा
3 . छात्रों को शब्दशक्तियों के ज्ञान से परिचित कराया जाएगा
4 . छात्रों में आलोचना की क्षमता विकसित की जाएगी
5 . छात्रों में गद्य साहित्य को समझने की मौलिक सूझबूझ विकसित की जाएगी

श्रेयांक(Credit): 3 अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam): 15
पूर्णांक(Total Marks): 75 सत्रांत परीक्षा (External Exam): 60

पाठ्यक्रम (Syllabus)

इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति TeachingMethod	तासिकाएँ No.of Lectures
I	गद्य भेद का सैद्धांतिक परिचय 1. कहानी- परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 2. उपन्यास-परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 3. नाटक - परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 4. निबंध - परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 5. एकांकी -परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	11
II	गद्य भेद का सैद्धांतिक परिचय 1. आत्मकथा- परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 2. संस्मरण- परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 3 . जीवनी- परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 4. रेखाचित्र- परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व 5 . रिपोर्ताज- परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा,	11
III	शब्दशक्ति का परिचय 1. शब्दशक्ति का अर्थ, परिभाषा 2. शब्दशक्ति के प्रकार 3 .अभिधा का सामान्य परिचय	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	11

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON · NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE) · ESTD. 1945

	4. लक्षणा का सामान्य परिचय 5 . व्यंजना का सामान्य परिचय		
IV	आलोचना का परिचय 1. आलोचना- परिभाषा, स्वरूप 2. आलोचना की आवश्यकता 3. आलोचक के गुण 4. आलोचना के प्रकार (संक्षिप्त जानकारी)	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

मिश्र, डॉ.भगीरथ , भारतीय काव्यशास्त्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली

व्दिवेदी, हजारी प्रसाद , साहित्य सहचर , लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद

उपाध्याय,आचार्य बलदेव भारतीय साहित्य शास्त्र ,नंदकिशोर एंड संस प्रा .लि., वाराणसी

शुक्ल, रामबहोरी , काव्य-प्रदीप , लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद

धवन,डॉ.मधु , साहित्यिक विधाएं सैद्धांतिक पक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

गुप्ता ,डॉ. रामशरण दास , साहित्य शास्त्र, जयपुर

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (DSE-1C)
पंचम सत्र (Semester V)
HIN 354 : विशेष साहित्यकार- रामवृक्ष बेनीपुरी (रेखाचित्रकार)

उद्देश्य (Course Objective)

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी गद्य तथा उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना
2. रेखाचित्र की प्रवृत्तियाँ एवं उसके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना
3. निर्धारित रेखाचित्रों के माध्यम से लेखक के लेखन कौशल से जुड़ना
4. लोक संस्कृति के प्रति आस्था एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना

प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. छात्र आधुनिक हिंदी गद्य तथा उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे
2. रेखाचित्र की प्रवृत्तियाँ एवं उसके तात्विक स्वरूप का ज्ञान होगा
3. निर्धारित रेखाचित्रों के माध्यम से लेखक के लेखन कौशल से जुड़ पाएंगे
4. लोक संस्कृति के प्रति आस्था एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित हो सकेगी

श्रेयांक (Credit): 3 — अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam): 15

पूर्णांक (Total Marks): 75 — सत्रांत परीक्षा (External Exam): 60

पाठ्यक्रम (Syllabus)			
इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति Teaching Method	तासिकाएँ No. of Lectures
I	रेखाचित्र विधा का सैद्धांतिक परिचय 1. रेखाचित्र का स्वरूप 2. रेखाचित्र की परिभाषाएं 3. रेखाचित्र के तत्व 4. रेखाचित्र का विकास 5. रेखाचित्र और संस्मरण विधा की तुलना	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12
II	पुस्तक: माटी की मूरतें (रेखाचित्र) लेखक : रामवृक्ष बेनीपुरी प्रकाशन : प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 1. रामवृक्ष बेनीपुरी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 2. निर्धारित पुस्तक से चयनित रेखाचित्र a) रजिया b) सरजू भैया c) मंगर	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा, व्हिडियो प्रसारण के द्वारा	12
III	निर्धारित पुस्तक से चयनित रेखाचित्र a) रूपा की आजी b) बालगोबिन भगत c) भौजी	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON GRADE 'A' CGPA 3.15 (3rd CYCLE)

	d) परमेसर e) सुभान खां		
IV	अध्ययनार्थ विषय 1. माटी की मूरतें में चरित्र दृष्टि 2. माटी की मूरतें की शीर्षक की सार्थकता 3. माटी की मूरतें की भाषा शैली 4. माटी की मूरतें में लोक तत्व 5. माटी की मूरतें का उद्देश्य	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	9

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

सिंह, कृपाशंकर-हिंदी रेखाचित्र उद्भव और विकास. विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

चौहान, डॉ. गजानन-रामवृक्ष बेनीपुरी और उनका साहित्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद

चतुर्वेदी, रश्मि - रामवृक्ष बेनीपुरी के रेखाचित्र :एक अध्ययन, साहित्य निलय, कानपुर

चौहान. कन्हैयालाल - रामवृक्ष बेनीपुरी व्यक्तित्व एवं कृतित्व, प्रियकांत प्रकाशन, अहमदाबाद

कुमार, सुरेश-हिंदी और मराठी रेखाचित्रों का तुलनात्मक अध्ययन, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर

तिवारी, रामचंद्र-हिंदी गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

सिंघल, शशिभूषण - साहित्य विधाएं, आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली

असद, आमदा- गद्य की नई विधाओं का विकास, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली

MCCLJI JAITHA COLLEGE JALGAON GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE)

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (SEC 1)
पंचम सत्र (Semester V)
HIN 350 : सर्जनात्मक लेखन

उद्देश्य (Course Objective)

1. सृजनात्मक लेखन के महत्त्व को बताना
2. सृजनात्मक लेखन के रूपों का परिचय देना
3. सृजनात्मक लेखन की प्रविधि पर प्रकाश डालना
4. सृजनात्मक लेखन की क्षमता को विकसित करना

प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. सृजनात्मक लेखन के महत्त्व जानेंगे
2. सृजनात्मक लेखन के रूपों से परिचय होगा
3. सृजनात्मक लेखन की प्रविधि को समझ सकेंगे
4. सृजनात्मक लेखन की क्षमता विकसित होगी

श्रेयांक (Credit) : 2 **अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam) : 15**

पूर्णांक (Total Marks) :75 **सत्रांत परीक्षा (External Exam) : 60**

पाठ्यक्रम (Syllabus)			
इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति Teaching Method	तासिकाएँ No. of Lectures
I	सृजनात्मक लेखन: सैद्धांतिक पक्ष 1. सृजनात्मक लेखन क्या है ? 2. सृजनात्मक लेखन के उद्देश्य 3.सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया के चरण a) मौखिक b) लिखित c) संशोधन एवं मूल्यांकन d) प्रेरणा और प्रोत्साहन	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा	9
II	सृजनात्मक लेखन के रूप 1. पद्य लेखन 2. गद्य लेखन 3. लेखक के गुण	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा, व्हिडियो प्रसारण के द्वारा	12
III	सृजनात्मक लेखन के तत्व 1.कविता- लय, गति, तुक, छंद और काव्यरूप 2.नाटक- कथानक, चरित्र, संवाद, रंगकर्म 3. कथा साहित्य- कहानी, उपन्यास आदि 4. अन्य गद्य लेखन-निबंध, संस्मरण, व्यंग्य आदि	व्याख्यानात्मक, परस्पर संवादात्मक, विश्लेषणमूलक, गुट चर्चा, व्हिडियो प्रसारण के द्वारा	12

MOOLJI JAITHA COLLEGE NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE)

IV	सृजनात्मक लेखन की भाषा 1. बोलचाल की भाषा 2. लिखित भाषा 3. काव्य भाषा 4 .गद्य भाषा	व्याख्यानात्मक, परस्पर संवादात्मक, विश्लेषणमूलक, गुट चर्चा, व्हिडियो प्रसारण के द्वारा	12

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

मिश्र, डॉ. चंद्रप्रकाश-मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली

मिश्र, डॉ. स्मिता -भारतीय मीडिया: अंतरंग पहचान, भारत पुस्तक भंडार, दिल्ली

अली, आबिद, कुमार, संदीप-लेखन कला :सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियाँ, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, कुरुक्षेत्र

कुलकर्णी, डॉ. सुनील-भाषिक संप्रेषण, कुमुद पब्लिकेशन, जलगांव

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (GE)
षष्ठम सत्र (Semester VI)
HIN-001: कहानी संग्रह (चित्रा मुदगल)

उद्देश्य (Objective)

1 .छात्रों को कहानी के तात्विक स्वरूप से परिचित कराना
2 .छात्रों को कहानी के प्रकार तथा विकास यात्रा से अवगत कराना
3 .छात्रों को समाज की विभिन्न समस्याओं से ज्ञात कराना
4. छात्रों में मानवीयता का भाव तथा मूल्य संवर्धन करना
5 . छात्रों में कहानी लेखन कौशल की क्षमता विकसित करना

प्रतिफल (Outcomes)

1 . छात्रों को कहानी के तात्विक स्वरूप से परिचित किया जाएगा
2 . छात्रों को कहानी के प्रकार तथा विकास यात्रा से अवगत कराया जाएगा
3 . छात्रों को समाज की विभिन्न समस्याओं से ज्ञात कराया जाएगा
4 . छात्रों में मानवीयता का भाव तथा मूल्य संवर्धन की दृष्टि विकसित की जाएगी
5 . छात्रों में कहानी लेखन कौशल की क्षमता विकसित की जाएगी

श्रेयांक(Credit): 3 अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam): 15
पूर्णांक(Total Marks):75 सत्रांत परीक्षा (External Exam): 60

पाठ्यक्रम (Syllabus)			
इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति TeachingMethod	तासिकाएँ No.of Lectures
I	कहानी का सैद्धांतिक पक्ष 1. कहानी की परिभाषा ,स्वरूप 2. कहानी के तत्त्व 3. कहानी के प्रकार 4. कहानी की विकास यात्रा 5. कहानी और लघुकथा में अंतर	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	9
II	कहानी संग्रह- बयान लेखिका - चित्रा मुद्गल प्रकाशन-भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली 1. लेखिका चित्रा मुदगल का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व 2. अध्ययनार्थ चयनित कहानियां a) डोमिन काकी b) पहचान c) ऐब d) राक्षस e) गणित f) मिट्टी g) नाम h) गली	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा,	13

MOOLJI JAITHA COLLEGE JALGAON GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE)

III	अध्ययनार्थ चयनित कहानियां a) बाहर b) सेवा c) सेवक d) रक्षक-भक्षक e) व्यावहारिकता f) पत्नी g) पाठ h) नसीहत	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	10
IV	अध्ययनार्थ विषय 1. मानवता 2. दहेज की मानसिकता 3. बालसंवेदना 4. वर्गगत विषमता 5. गरीबी की समस्या 6. सामाजिक मानसिकता 7. पारिवारिक लालसा की प्रवृत्ति 8. दांपत्य जीवन की विडंबना 9 .मूल्य संवर्धन 10. तत्त्वों के आधारपर समीक्षा	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	13

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

गुप्ता, डॉ. अरुणा, छठे दशक की कहानी में जीवन मूल्य , इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली

गर्ग, लक्ष्मीनारायण, हिंदी कथा साहित्य में इतिहास, अभिनय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

वार्ष्णेय , लक्ष्मी नारायण, आधुनिक कहानी का परिपार्श्व, साहित्य भवन, इलाहाबाद

राय, डॉ. सूबेदार राय, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी का विकास , अनुभव प्रकाशन,कानपुर

पुष्पसिंह, समकालीन कहानी का संदर्भ, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली

DOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON GRADE 'A' CGPA-3.15

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (GE-1)
पंचम सत्र (Semester V)
HIN- 002 - व्यंग्य साहित्य

उद्देश्य (Course Objective)
1. हिंदी के व्यंग्य साहित्य से परिचित कराना
2. हास्य और व्यंग्य के अंतर को समझाना
3. व्यंग्य की व्यंजनात्मक भाषा से परिचित कराना
4. हिंदी व्यंग्य लेखन परम्परा से अवगत कराना

प्रतिफल (Learning Outcomes)
1. हिंदी के व्यंग्य साहित्य से परिचित होंगे
2. हास्य और व्यंग्य के अंतर को समझेंगे
3. व्यंग्य की व्यंजनात्मक भाषा से परिचित होंगे
4 हिंदी व्यंग्य लेखन परम्परा से अवगत होंगे

श्रेयांक (Credit): 3 अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam): 15
पूर्णांक (Total Marks):75 सत्रांत परीक्षा (External Exam): 60

पाठ्यक्रम (Syllabus)			
इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति Teaching Method	तासिकाएँ No. of Lectures
I	व्यंग्य का स्वरूप और सिद्धांत 1. व्यंग्य का स्वरूप और सिद्धांत 2. व्यंग्य की परिभाषा 3. भारतीय आलोचकों का दृष्टिकोण 4. पाश्चात्य विचारकों का दृष्टिकोण a) व्यंग्य के तत्व b) व्यंग्य के प्रकार c) हास्य और व्यंग्य में अंतर d) व्यंग्य लेखन की परंपरा	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12
II	शंकर पुणतांबेकर के चयनित व्यंग्य - 1. आदर्श एवं यथार्थ 2. कालिदास और शेक्सपियर 3. जंगल 4. तीन सिकंदर 5. नाग का जनमेजय यज्ञ 6. निष्ठा का पेड़ 7. पगडंडी 8. पादचारी	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा	12
III	शंकर पुणतांबेकर के चयनित व्यंग्य - 1. भारत और इंडिया 2. मेरे नाविक	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12

	3. यज्ञ 4. रुग्णालय की गोड में 5. लॉकर का भूत 6. प्रतिबिंब 7. बाढ 8. ब्युरीकेट		
IV	अध्ययनार्थ विषय - 1. राजनीतिक व्यंग्य 2. सामाजिक व्यंग्य 3. मनोवैज्ञानिक व्यंग्य 4. पौराणिक व्यंग्य 5. ऐतिहासिक व्यंग्य 6. आर्थिक व्यंग्य 7. धार्मिक व्यंग्य 8. नौकरशाही व्यंग्य	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	9

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

नागर, श्री अमृतलाल , मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएं , ज्ञान भारती प्रकाशन, दिल्ली - १९७७

मेहंदीरता, डॉ.वीरेंद्र ,आधुनिक हिंदी साहित्य में व्यंग्य , रिसर्च पब्लिकेशन इनसोशल साइंस, दिल्ली - १९७६

शर्मा, डॉ.उषा , स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में व्यंग्य , आत्माराम एंड संस, दिल्ली - १९८५

दीक्षित, डॉ.प्रेम नारायण , हास्य के सिद्धांत तथा आधुनिक साहित्य , साहित्य भंडार, लखनऊ - १९५४

आ द्विवेदी, कबीर , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली - प्र.सं १९८५

शुक्ल, डॉ.प्रेमनारायण , हिंदी साहित्य के विविध वाद , हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ -प्र.सं १९८०

मिश्र, डॉ.सभापति, हिंदी नाट्य साहित्य में हास्य व्यंग्य , साहित्य रत्नालय, कानपुर - १९८०

माचवे, डॉ.प्रभाकर, तेल की पकौडियो , ज्ञानोदय प्रकाशन, इलाहाबाद - प्र.सं १९६२

चतुर्वेदी, डॉ.बरसानेलाल , हिंदी साहित्य में हास्यरस , राजपाल एंड संस, दिल्ली - प्र.सं १९५७

पुणतांबेकर, डॉ. शंकर, कैक्टस के कांटे , पंचशील प्रकाशन, जयपुर - १९७४

डॉ. शांतारानी, हिंदी नाटकों में हास्य तत्व , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद - १९८१

गर्ग, डॉ. शेरजंग, व्यंग्य की मूलभूत प्रश्न , साहित्य भारती, दिल्ली - प्र.सं १९७३

वर्मा, डॉ.राधेश्याम, हिंदी व्यंग उपन्यास , साहित्य भारती, दिल्ली - प्र.सं १९९०

डांग,डॉ. अलका श्रीकृष्णा, व्यंग्यकार लतीफ घोघी , अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर - २००३

श्रीवास्तव,राजेंद्र प्रसाद, हिंदी गद्य की नवीन विधाएं , रत्नालय, कानपुर -२००२

पाटिल,रा.वा. ,एक व्यंग्य यात्रा , आलोक संस्कृति अकादमी, जलगांव - १९८७

दीक्षित,डॉ.चंद्रप्रकाश, राग दरबारी कृति से साक्षात्कार , संजय प्रकाश, दिल्ली - २००१

भट्ट,डॉ.आभा,हरिशंकर परसाई की व्यंग्य में व्यक्त चेतना,अजय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद - १९९४

फल्ला,डॉ.नंदलाल ,व्यंग्यात्मक उपन्यास और राग दरबारी , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं १९९८

दुबे, डॉ. हरिशंकर, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य में व्यंग , विकास प्रकाशन, कानपुर - १९६७

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON · NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE)

KNOWLEDGE IS POWER

ESTD. 1945

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

मूलजी जेठा महाविद्यालय, जलगांव

(स्वशासी)

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)

षष्ठम सत्र (Semester VI)

(जून २०२१ से लागू)

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (DSE-1D)
पंचम सत्र (Semester VI)
HIN -361 - हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

उद्देश्य (Course Objective)

1. हिंदी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल से साहित्य से छात्रों को परिचित कराना
2. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां तथा रचनाकारों से छात्रों को अवगत
   कराना
3. हिंदी साहित्य इतिहास के आधुनिक काल के पद्य और गद्य साहित्य तथा प्रमुख साहित्यकारों का ज्ञान छात्रों
   को प्रदान कराना
4. आधुनिक काल के साहित्य की प्रमुख उल्लेखनीय उद्योग का छात्रों को परिचय देना

प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. भारतेंदु कालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं का छात्रों को ज्ञान प्राप्त होगा
2. द्विवेदीकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं से छात्र अवगत होंगे
3. साहित्यिक वादों का छात्रों को परिचय प्राप्त होगा
4. आधुनिक गद्यकारों के साहित्यिक योगदान से छात्रों का परिचय होगा
5. आधुनिक काल की गद्य कृतियों से छात्र परिचित होंगे
6. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन छात्रों को सेट नेट की परीक्षा तथा स्पर्धा परीक्षा की पूर्व तैयारी की दृष्टि से
   उपयोगी सिद्ध होगा

श्रेयांक (Credit) : 3 — अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam) : 15
पूर्णांक (Total Marks) : 75 — सत्रांत परीक्षा (External Exam) : 60

पाठ्यक्रम (Syllabus)

इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति Teaching Method	तासिकाएँ No. of Lectures
I	**आधुनिक काल : काव्य -** 1. भारतेंदुयुगीन काव्य की प्रमुख विशेषताएं 2. द्विवेदी युगीन काव्य की प्रमुख विशेषताएं 3. निम्नलिखित साहित्यिक वादों का परिचय: a) छायावाद, b) प्रगतिवाद c) प्रयोगवाद	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12
II	**आधुनिक काल : गद्य -** 1. भारतेंदु पूर्व खड़ी बोली गद्य का सामान्य परिचय 2. साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय - a) भारतेंदु b) प्रेमचंद c) आचार्य हजारी	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा	12

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON • NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE) • AUTONOMOUS • ESTD. 1945

	प्रसाद द्विवेदी d) यशपाल e) रामकुमार वर्मा f) फणीश्वरनाथ रेणु g) मोहन राकेश h) जैनेंद्र कुमार 3. निम्नलिखित विधाओं का विकासात्मक अध्ययन:- a) उपन्यास b) कहानी c) नाटक		
III	आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख पद्य और गद्य कृतियों का संक्षिप्त परिचय :- 1.आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख पद्य कृतियों का संक्षिप्त परिचय - a) यशोधरा (मैथिलीशरण गुप्त) b) प्रिय प्रवास (अयोध्या सिंह उपाध्याय) c) रश्मिरथी (रामधारी सिंह दिनकर) d) अंधा युग (धर्मवीर भारती)	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12
IV	आधुनिक कालीन साहित्य की प्रमुख कृतियों का संक्षिप्त परिचय :- a) गोदान (प्रेमचंद) b) पहला राजा (जगदीश चंद्र माथुर) c)अंतिम अरण्य (निर्मल वर्मा) d) आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश) e) मैला आंचल (फणीश्वरनाथ रेणु)	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	9

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

शुक्ल, रामचंद्र-हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद

नगेंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागर- हिंदी साहित्य का इतिहास , लोकभारती प्रकाशन , नई दिल्ली

टंडन डॉ. कपूरचंद - हिंदी साहित्य का इतिहास, जगतराम अंड सन्स , दिल्ली

कपूर, श्याम चंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास , प्रभात प्रकाशन , नई दिल्ली

शर्मा, रमेशचंद्र- हिंदी साहित्य का इतिहास, विद्या प्रकाशन, कानपुर

शर्मा, शिवकुमार- हिंदी साहित्य और प्रवृतियां , अशोक प्रकाशन. नई दिल्ली

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON • NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE) • AUTONOMOUS • ESTD. 1945

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (DSE-1C)
षष्ठम सत्र (Semester VI)
HIN 362 : भाषा विज्ञान

उद्देश्य (Course Objective)

1. छात्रों की भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना
2. छात्रों को भाषा के भाषा-सिद्धांतों से परिचित कराना
3. छात्रों को भाषा के विविध रूपों से परिचित कराना

प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. भाषा के प्रति रुचि निर्माण होगी
2. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित हो सकेंगे
3. भाषा विज्ञान के विविध रूपों का ज्ञान होने से भाषा के प्रयोग विषयक कौशल में वृद्धि होगी

श्रेयांक (Credit) : 3 **अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam) : 15**

पूर्णांक (Total Marks) : 75 **सत्रांत परीक्षा (External Exam) : 60**

पाठ्यक्रम (Syllabus)

इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति Teaching Method	तासिकाएँ No. of Lectures
I	1. भाषा विज्ञान का नामकरण एवं स्वरूप परिभाषाएँ 2. भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ 3. भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ - a) वर्णनात्मक, b) ऐतिहासिक, c) तुलनात्मक, d) संरचनात्मक, e) प्रायोगिक	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12
II	**स्वन विज्ञान एवं स्वनिम** 1. स्वन का स्वरूप 2. स्वन का उत्पादन, संवहन और ग्रहण 3. वाग्वयव और उच्चारण प्रक्रिया 4. स्वरों का स्वरूप और वर्गीकरण 5. व्यंजनों का स्वरूप वर्गीकरण	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा	12
III	**1. रूप-रूपिम विज्ञान तथा वाक्य विज्ञान** a) रूप (पद) का स्वरूप और परिभाषा b) सबंध तत्व और अर्थ तत्व . C) संबंध तत्त्व और उसके भेद **2. वाक्य विज्ञान** a) वाक्य का स्वरूप और परिभाषा b) अभिहितान्वयवाद (पदवाद) और अन्विताभिधानवाद (वाक्यवाद) c) वाक्य की आवश्यकताएं d) वाक्य के भेद	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE) EST. 1945 AUTONOMOUS

VI	अर्थ विज्ञान 1.अर्थ की अवधारणा 2.शब्द और अर्थ का संबंध 3.अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ 4.अर्थ परिवर्तन के कारण	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	9

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

रूवाली, डॉ.केशवदत्त-आधुनिक भाषा विज्ञान, अल्मोडा बुक डेपो, अल्मोडा
अग्रवाल, डॉ.रामेश्वर दयाल -मुग्धबोध भाषा विज्ञान, साधना प्रकाशन,मेरठ
तिवारी, डॉ.भोलानाथ- भाषा विज्ञान, किताब महल, नई दिल्ली
त्रिवेदी, डॉ.कपिलदेव-भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
शमुख, डॉ.अम्बादास-भाषा विज्ञान के अधुनातम आयाम, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
शंकर, डॉ.विवेक-आधुनिक भाषा विज्ञान, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
शर्मा, राजमणि- आधुनिक भाषा विज्ञान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (DSE- 1 D)
षष्ठम सत्र (Semester VI)
HIN-363 : काव्यशास्त्र-2 (पद्य के भेद,रस, छंद एवं अलंकार)

उद्देश्य (Objective)

1. छात्रों को काव्य की विविध विधाओं से परिचित कराना
2. छात्रों को काव्य के तात्विक स्वरूप तथा विशेषताओं का ज्ञान कराना
3. छात्रों को छंद, रस, अलंकार का परिचय कराना
4. छात्रों में काव्य ग्रहण की क्षमता विकसित करना

प्रतिफल (Outcomes)

1. छात्रों को काव्य की विविध विधाओं से परिचित किया जाएगा
2. छात्रों को काव्य के तात्विक स्वरूप तथा विशेषताओं से ज्ञात कराया जाएगा
3. छात्रों को छंद, रस, अलंकार से परिचित कराया जाएगा
4. छात्रों में काव्य ग्रहण की क्षमता विकसित की जाएगी

श्रेयांक (Credit) : 3 अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam) : 15

पूर्णांक (Total Marks) : 75 सत्रांत परीक्षा (External Exam) : 60

पाठ्यक्रम (Syllabus)			
इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति TeachingMethod	तासिकाएँ No.of Lectures
I	काव्य के तत्त्व, हेतु, प्रयोजन, भेद 1. काव्य के तत्त्व - a) भावतत्त्व b) बुद्धितत्त्व, c) कल्पनातत्त्व d) शैलीतत्व 2. काव्य के हेतु 3. काव्य का प्रयोजन 4. काव्य के भेद - a) स्वरूप के आधार पर b) शैली के आधार पर	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	11
II	काव्य का तात्विक परिचय तथा विशेषताएं 1. महाकाव्य- परिभाषा, तत्त्व, विशेषताएं 2. खंडकाव्य- परिभाषा, तत्त्व, विशेषताएं 3. गीतिकाव्य-परिभाषा, तत्त्व, विशेषताएं 4. मुक्तककाव्य- परिभाषा, तत्त्व, विशेषताएं 5. गजल - परिभाषा, तत्त्व, विशेषताएं	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा,	11
III	रस का परिचय 1. रस- परिभाषा .स्वरूप 2. रस के अंग 3. रस के प्रकार	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	11

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON, NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE) AUTONOMOUS ESTD. 1945

	a) श्रृंगार रस का सामान्य परिचय b) वीर रस का सामान्य परिचय c) करुण रस का सामान्य परिचय d) हास्य रस का सामान्य परिचय		
IV	छंद और अलंकार 1.काव्य में छंदों का महत्त्व 2. छंदों के प्रकार का सोदाहरण परिचय a) मात्रिक छंद- दोहा . चौपाई, सोरठा, रोला b) वार्णिक छंद- इंद्रव्रजा, शिखरिणी, कवित्त, भुजगप्रयात 3. अलंकारों का काव्य में महत्त्व 4. अलंकारों के प्रकार a) शब्दालंकार- अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति b) अर्थालंकार - उपमा, उत्प्रेक्षा, विरोधाभास, अतिश्योक्ति	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

मिश्र, डॉ.भगीरथ-भारतीय काव्यशास्त्र,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली

व्दिवेदी, हजारी प्रसाद - साहित्य सहचर , लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद

उपाध्याय,आचार्य बलदेव भारतीय साहित्य शास्त्र ,नंदकिशोर एंड संस प्रा .लि., वाराणसी

शुक्ल, रामबहोरी- काव्य-प्रदीप , लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद

धवन,डॉ.मधु - साहित्यिक विधाएं सैद्धांतिक पक्ष , वाणी प्रकाशन , दिल्ली

गुप्ता , डॉ. रामशरण दास , साहित्य शास्त्र, जयपुर

MOOLJI JAITHA COLLEGE,JALGAON • AUTONOMOUS • NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE)

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (DSE-1D)
षष्ठम सत्र (Semester VI)
HIN 364: विशेष साहित्यकार- गोपालदास सक्सेना 'नीरज' (कवि)

उद्देश्य (Course Objective)

1. छात्रों को विशेष साहित्यकार के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचित कराना
2. विशेष साहित्यकार के समसामयिक परिस्थितियों और साहित्यिक वातावरण से परिचित कराना
3. विशेष साहित्यकार की रचनाओं के अध्ययन द्वारा छात्रों में सामाजिक मूल्यों तथा मानव मूल्यों की समझ निर्माण करना
4. विशेष साहित्यकार की रचनाओं के अध्ययन से गीत तथा ग़ज़ल विधा में रूचि निर्माण करना

प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. छात्र विशेष साहित्यकार के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचित होंगे
2. विशेष साहित्यकार के समसामयिक परिस्थितियों और साहित्यिक वातावरण से परिचित हो सकेंगे
3. विशेष साहित्यकार की रचनाओं के अध्ययन से छात्रों में सामाजिक मूल्यों तथा मानव मूल्यों की समझ निर्माण होगी
4. विशेष साहित्यकार की रचनाओं के अध्ययन से गीत तथा ग़ज़ल विधा में रूचि निर्माण होगी

श्रेयांक (Credit): 3 | अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam): 15

पूर्णांक (Total Marks): 75 | सत्रांत परीक्षा (External Exam): 60

पाठ्यक्रम (Syllabus)

इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति Teaching Method	तासिकाएँ No. of Lectures
I	विशेष कवि - गोपालदास सक्सेना 'नीरज' 1. नीरज का जीवन परिचय 2. नीरज का रचना परिचय 3. नीरज का काव्य- मंचों के लिए अवदान	व्याख्यानात्मक और परस्पर संवादात्मक	8
II	नीरज का गीत साहित्य **1. गीत जो गाए नहीं** a) तब मानव कवि बन जाता है b) दिया जलता रहा c) मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ d) यह संभव नहीं e) कफ़न है आसमान **2. कारवाँ गुज़र गया** 1. स्वप्न झरे फूल से, मीत चुभे शूल से 2. अजनबी यह देश, अनजानी यहां की हर डगर है **3 नीरज की पांति** a) आज की रात तुझे आखरी ख़त और लिख दूं b) आज है जन्मदिन तेरी फुलबगिया में c) कानपुर के नाम	व्याख्यानात्मक, विश्लेषणमूलक, गुटचर्चा और परस्पर संवादात्मक	12
III	नीरज का ग़ज़ल साहित्य	व्याख्यानात्मक,	12

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON NAAC GRADE 'A' CGPA 3.15 (3rd CYCLE) AUTONOMOUS

	1. तमाम उम्र मैं इक अजनबी के घर में रहा 2. अब तो मज़हब कोई ऐसा भी चलाया जाए 3. दूर से दूर तलक एक भी दरख्त न था 4. अब के सावन में शरारत ये मेरे साथ हुई 5. जितना कम सामान रहेगा 6. जब भी इस शहर में कमरे से मैं बाहर निकला 7. बदन पे जिस के शराफ़त का पैरहन देखा 8. जब चले जाएँगे हम लौट के सावन की तरह	विश्लेषणमूलक, गुटचर्चा और परस्पर संवादात्मक	
IV	**अध्ययनार्थ विषय** 1. नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में सामाजिकता 2. नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में प्रेम और सौन्दर्य 3. नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में वैयक्तिकता 4. नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में मूल्य चेतना 5. नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में व्यंग्यात्मकता 6. नीरज के गीत तथा ग़ज़लों का शिल्प पक्ष	व्याख्यानात्मक, विश्लेषणमूलक, गुटचर्चा और परस्पर संवादात्मक	**13**

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

उपाध्याय, डॉ. पशुपतिनाथ -गोपालदास 'नीरज' :सृष्टि और दृष्टि, जवाहर पुस्तकालय. मथुरा

सी, डॉ.वसंता, गीतकार नीरज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सुमन, क्षेमचंद्र, आज के लोकप्रिय हिंदी कवि नीरज, राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली

मिश्र, डॉ.दुर्गाशंकर. नीरज का काव्य :एक विश्लेषण, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ

चोपड़ा, सुदर्शन, आज के प्रसिद्ध गीतकार नीरज, सरस्वती विहार, नई दिल्ली

जोशी. डॉ.जीवनप्रकाश. आधुनिक हिंदी गीतिकाव्य :विषय और शिल्प, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली

गोदरे, विनोद, छायावादोत्तर हिंदी प्रगीत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

अस्थाना, डॉ.रोहिताश्व- हिंदी ग़ज़ल उद्भव और विकास, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली

खराटे, डॉ.मधुकर-हिंदी ग़ज़ल के प्रमुख हस्ताक्षर, विद्या प्रकाशन, कानपुर

अनूप, डॉ.वशिष्ठ- हिंदी ग़ज़ल का स्वरूप और महत्वपूर्ण हस्ताक्षर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी

M.J. COLLEGE JALGAON • AUTONOMOUS • NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE) ESTD. 1945

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (SEC 2)
षष्ठम सत्र (Semester VI)
HIN 360 : संचार माध्यमों के लिए लेखन

उद्देश्य (Course Objective)

1. संचार माध्यम के महत्व को बताना
2. संचार माध्यम के विविध रूपों का परिचय देना
3. संचार माध्यम लेखन की प्रविधि पर प्रकाश डालना
4. संचार माध्यम के लिए लेखन की क्षमता को विकसित करना

प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. संचार माध्यम के महत्त्व को जानेंगे
2. संचार माध्यम के रूपों से परिचय होगा
3. संचार माध्यम के रूपों के लिए लेखन की प्रविधि पर समझ सकेंगे
4. संचार माध्यम के लिए लेखन की क्षमता विकसित होगी

श्रेयांक (Credit) : 2
अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam) : 15
पूर्णांक (Total Marks) : 75
सत्रांत परीक्षा (External Exam) : 60

पाठ्यक्रम (Syllabus)			
इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति Teaching Method	तासिकाएँ No. of Lectures
I	संचार माध्यम : सैद्धांतिक पक्ष 1. संचार माध्यम: अवधारणा एवं स्वरूप 2. संचार माध्यम का उद्देश्य 3. संचार माध्यमों के प्रकार 4. संचार माध्यम का महत्त्व	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा	10
II	प्रिंट माध्यम के लिए लेखन 1. फीचर लेखन 2. वार्ता लेखन 3. साक्षात्कार लेखन	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा, व्हिडियो प्रसारण के द्वारा	10
III	इलैक्ट्रानिक माध्यम के लिए लेखन 1. दूरदर्शन के लिए लेखन 2. रेडियो के लिए लेखन 3. ब्लॉग के लिए लेखन	व्याख्यानात्मक, परस्पर संवादात्मक, विश्लेषणमूलक, गुट चर्चा, व्हिडियो प्रसारण के द्वारा	12

MOOLJI JAITHA COLLEGE JALGAON, NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE), AUTONOMOUS, ESTD. 1945

IV	संचार माध्यमों की भाषा 1. समाचार पत्रों की भाषा 2. दूरदर्शन की भाषा 3. रेडियो की भाषा 4. अंतरजाल की भाषा	निर्देशन व्याख्यानात्मक, परस्पर संवादात्मक, विश्लेषणमूलक, गुट चर्चा, व्हिडियो प्रसारण के द्वारा	13

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

मिश्र, डॉ. चंद्रप्रकाश-मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली
मिश्र, डॉ. स्मिता -भारतीय मीडिया: अंतरंग पहचान, भारत पुस्तक भंडार, दिल्ली
अली, आबिद, कुमार, संदीप-लेखन कला :सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियाँ, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, कुरुक्षेत्र
कुलकर्णी, डॉ.सुनील-भाषिक संप्रेषण, कुमुद पब्लिकेशन, जलगांव

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (GE-HIN-003)
षष्ठम सत्र (Semester VI)
HIN-003 : प्रबंधकाव्य (भवानीप्रसाद मिश्र)

उद्देश्य (Objective)

1. छात्रों को आधुनिक काव्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना
2. छात्रों को प्रबंधकाव्य के तात्विक स्वरूप से अवगत कराना
3. छात्रों को भारतीय संस्कृति में नारी की महत्ता से ज्ञात कराना
4. छात्रों में मानवीय तथा देशप्रेम जैसे मूल्यों को विकसित करना
5. छात्रों को गांधीजी के तत्वज्ञान की दृष्टि से परिचित कराना
6. छात्रों में काव्यग्रहण की क्षमता विकसित करना

प्रतिफल (Outcomes)

1. छात्रों को आधुनिक काव्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित किया जाएगा
2. छात्रों को प्रबंधकाव्य के तात्विक स्वरूप से ज्ञात कराया जाएगा
3. छात्रों को भारतीय संस्कृति में नारी की महता की गरिमा से अवगत कराया जाएगा
4. छात्रों में मानवीय तथा देशप्रेम जैसे मूल्यों को विकसित कराया जाएगा
5. छात्रों को गांधीजी के तत्वज्ञान की दृष्टि से परिचित कराया जाएगा
6. छात्रों में काव्य ग्रहण की क्षमता विकसित की जाएगी

श्रेयांक (Credit) : 3अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam): 15
पूर्णांक (Total Marks): 75 सत्रांत परीक्षा (External Exam): 60

पाठ्यक्रम (Syllabus)			
इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति Teaching Method	तासिकाएँ No.of Lectures
I	**प्रबंधकाव्य का तात्विक परिचय** 1. प्रबंधकाव्य की परिभाषा ,स्वरूप 2. प्रबंधकाव्य के तत्त्व 3. प्रबंधकाव्य की विशेषताएं 4. प्रबंधकाव्य के भेद	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	9
II	**निर्धारित प्रबंधकाव्य- कालजयी** **कवि- भवानीप्रसाद मिश्र** **प्रकाशन-भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन** 1. कवि भवानीप्रसाद मिश्र का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व 2. कालजयी के सर्ग a) बीज b) अंकुर c) विकास d) वट e) छाया f) निर्माण	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा, व्हिडियो प्रसारण के द्वारा	14
III	**अध्ययनार्थ विषय** 1. कालजयी का कथानक	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक,	11

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON · NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE) · AUTONOMOUS · ESTD. 1945

	2. पात्रों का उदात्त चरित्र – a) अशोक– विवेकशीलता का प्रतीक b) सुसीम–कर्तव्यनिष्ठता के दायित्व का निर्वाह c) बिंदुसार– पुरानी पीढी का प्रतीक d) शंपा–मूल्य संवर्धन करनेवाली आदर्श माता e) देवी – प्रेरणादायिनी शक्ति	परस्पर संवादात्मक	
IV	अध्ययनार्थ विषय 1. कालजयी में युद्ध की विभीषिका 2. कालजयी में गांधीवादी तत्त्वज्ञान 3. कालजयी में मानवीय मूल्य 4. कालजयी में राष्ट्रीयता तथा देशप्रेम की भावना 5. कालजयी के शीषर्क की सार्थकता 6. कालजयी में युगबोध तथा उद्देश्य	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	11

संदर्भ/सहायक ग्रंथ

तिवारी , डॉ. संतोष कुमार–भवानीप्रसाद मिश्र का काव्य संवेदना और शिल्प ,भारतीय ग्रंथ निकेतन, प्रकाशन, दिल्ली

पालीवाल, कृष्णदत्त– भवानीप्रसाद मिश्र का काव्य संसार साहित्य, निधी प्रकाशन, दिल्ली

सरस्वती, गुप्त डॉ. ओम आनंद, डॉ. रामकुमार, साहित्य और मूल्यबोध, शांति प्रकाशन, दिल्ली

नंदन, नंदनकिशोर–हिंदी आधुनिक प्रबंध कविता का पौराणिक आधार संस्थान प्रकाशन, दिल्ली

भारती, धर्मवीर मानवीय मूल्य और साहित्य , भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON • NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE) • AUTONOMOUS • ESTD. 1965

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)
हिंदी प्रश्नपत्र (GE)
पंचम सत्र (Semester VI)
HIN-004- एकांकी

उद्देश्य (Course Objective)

1. हिंदी एकांकी उद्भव और विकास की जानकारी देना
2. एकांकी विधा की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित करना
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित एकांकी से जीवन और समाज के विभिन्न उद्देश्यों की समझ और सुचिंतित दिशा को खोजने का प्रयास करना

प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. संबंधित एकांकीकारों के युग की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, साहित्यिक, धार्मिक परिस्थितियों को समझ पाएंगे
2. विद्यार्थियों में सामाजिक समरसता का भाव निर्माण होगा
3. विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास होगा
4. विद्यार्थियों में साहित्य कला संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी

श्रेयांक (Credit): 3
पूर्णांक (Total Marks): 75
अंतर्गत परीक्षा (Internal Exam): 15
सत्रांत परीक्षा (External Exam): 60

पाठ्यक्रम (Syllabus)

इकाई Unit	सामग्री Content	अध्यापन पद्धति Teaching Method	तासिकाएँ No. of Lectures
I	एकांकी का स्वरूप एवं विकास: 1. एकांकी का स्वरूप एवं परिभाषा 2. एकांकी के तत्व 3. एकांकी का विकासक्रम 4. नाटक एवं एकांकी में अंतर	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12
II	निर्धारित एकांकी संग्रह- एकांक-रश्मि संपा. प्रा.अरुण पाटील, प्रकाशन- विद्या प्रकाशन, कानपुर अध्ययनार्थ एकांकियाँ - भाग -१ 1. अंधेर नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र 2. औरंगजेब की आखिरी रात -डॉ.रामकुमार वर्मा 3. सूखी डाली- उपेंद्रनाथ अश्क	व्याख्यानात्मक. विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक, गुट चर्चा	12
III	अध्ययनार्थ एकांकियाँ -भाग -२ 1. मकड़ी का जाला - जगदीश चंद्र माथुर 2. संस्कार और भावना - विष्णु प्रभाकर 3. यहाँ रोना मना है- ममता कालिया	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	12

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON · NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE) · AUTONOMOUS · ESTD. 1945

IV	अध्ययनार्थ विषय :- 1. कानून व्यवस्था पर व्यंग्य 2. मानसिक संघर्ष एवं अंतर्द्वंद का चित्रण 3. पीढ़ी संघर्ष की समस्या 4. संयुक्त परिवार का महत्व 5. बेरोजगारी की समस्या 6. आंतरजातीय विवाह का चित्रण 7. नारी जीवन की पीड़ा, घुटन एवं संघर्ष का चित्रण	व्याख्यानात्मक विश्लेषणमूलक, परस्पर संवादात्मक	9

संदर्भ/सहायक ग्रंथ -

महेंद्र, रामचरण- हिंदी एकांकी और एकांकीकार, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
महेंद्र, रामचरण-हिंदी एकांकी : उद्भव और विकास , साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
सिंह, राम रतन-एकांकी कला, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद
सत्येंद्र, हिंदी एकांकी, साहित्य, रत्न भंडार, आगरा
कुमार, सिद्धनाथ - हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, रामबाग, कानपुर
ओझा, दशरथ- हिंदी एकांकी नाटक उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली

MOOLJI JAITHA COLLEGE, JALGAON • AUTONOMOUS • NAAC GRADE 'A' CGPA-3.15 (3rd CYCLE) ESTD 1945